सम्पादकीय

राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन एवं राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ शाहपुराबाग, जयपुर द्वारा श्री श्री 1008 भुवनेश्वरानंद जी महाराज, महंत श्री राम प्रसाद जी महाराज एवं महंत श्री हरिशंकर दास जी वेदांती के शुभाशीर्वाद के परिणामस्वरूप **'शिक्षा कौस्तुभ'** त्रैमासिक शोधपत्रिका के द्वितीय वर्ष का प्रथम अंक प्रकाशित किया जा रहा है। 'संस्कृत सुमेरु' विद्वत् - शिरोमणि स्व. पं. मोतीलाल जी जोशी के संकल्प की परिणति के रूप में उनकी शाश्वती प्रेरणा का यह उत्कृष्ट आयाम विज्ञ परामर्शदाताओं के सत्परामर्श से निर्मित करके संपादक मण्डल द्वारा सम्पादित किया जा रहा है।

त्रैमासिक शोध पत्रिका के इस अंक में शिक्षा, संस्कृति एवं ज्ञान-विज्ञान के विषयों पर उत्कृष्ट विद्वानों के लेख-शोधलेख संकलित है। सर्वप्रथम डॉ. मनीषा शर्मा द्वारा लिखित **'सम्वत्सर चक्र'** लेख में सम्वत्सर की वैज्ञानिकता को उद्घाटित किया है। गोपीनाथ पारीक 'गोपेश' द्वारा लिखित **'विज्ञानं ज्ञानपूर्वकम्'** लेख में ज्ञान विज्ञान का बहुत सुन्दर समन्वय किया है। तत्पश्चात् डॉ. निरञ्जन साहू द्वारा लिखित **'अभिज्ञानशाकुन्तले समाजव्यवस्था'** शोधलेख में महाकवि कालीदास द्वारा अभिज्ञानशाकुन्तलम नाटक में सामाजिक व्यवस्था का चित्रण किया गया है। केशव मिश्रा द्वारा लिखित **'NEP 2020 : संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ'** शोधलेख में शिक्षण की संभावनाओं की चुनौतियों पर प्रकाश डाला है।

प्रो. पूर्णचन्द्र उपाध्याय द्वारा लिखित **'मानसिक पर्यावरण प्रदूषण व उसका निवारण : श्रीमद्भगवद्गीता की प्रासंगिकता'** नामक लेख में गीता में वर्णित पर्यावरणीय व्यवस्था का उल्लेख किया है। तत्पश्चात् श्रीमती कविता भारद्वाज द्वारा लिखित **'अध्यापक शिक्षा में एक नये युग की शुरुआत'** शोधलेख में शिक्षक एवं शिक्षण की नई दिशा को प्रकाशित किया गया है। मलखान मीणा द्वारा लिखित **'महान शिक्षाविद डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं डॉ. राधाकृष्णन के शैक्षिक विचारो का तुलनात्मक अध्ययन'** शोधलेख में डॉ. कलाम एवं डॉ. राधाकृष्णन के शैक्षिक दृष्टिकोण को उद्घाटित किया है। डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. यदु शर्मा द्वारा लिखित **'वर्तमान में जीवनमूल्यों की प्रासंगिकता'** शोधलेख में जीवनमूल्यों पर प्रकाश डाला है। श्रीमती अनिता शर्मा द्वारा लिखित **'गौतम बुद्ध एवं डॉ. अम्बेडकर के शैक्षिक विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता'** शोधलेख में भगवान् बुद्ध की शिक्षा और डॉ. अम्बेडकर की शिक्षा नीति को बताया है। तत्पश्चात् सुभाष मीना द्वारा लिखित **'वेदांत दर्शन में निहित मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्लेषणात्मक अध्ययन'** शोधलेख में मानवतावादी दृष्टिकोण के विश्लेषणात्मक अध्ययन पर प्रकाश डाला है। डॉ. सीताराम दोतोलिया द्वारा लिखित **'जीवनयात्रा'** लेख में जीवनयात्रा को संस्कृत कविता के माध्यम से बताया है।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने हेतु उत्साहशील होंगे।

शुभकामनाओं सहित....

प्रधान संपादक - डॉ. मनीषा शर्मा